संपादकीय

खनन माफिया पर लगाम

स्टांप ड्यूटी के साथ महंगाई का भी रखें ध्यान

पंजाब सरकार ने स्टांप ड्यूटी बढ़ाकर और बालू खनन योजनाओं में परिवर्तन करके सरकार के लिए अधिक धन उपार्जन और बालू माफिया को नियंत्रित करने की योजना का संकेत दिया है। लगभग 17 कानूनी दस्तावेजों पर स्टांप ड्यूटी दोगुनी कर दी गई है। जैसे कि पावर ऑफ अटॉर्नी, पार्टनरशिप डीड, इंडिमनिटी बॉन्ड और एफिडेविट इत्यादि। यह निर्णय सरकार की आमदनी और खर्च में आ रहे अंतर को भरने के लिए लिया गया है। सरकार को इससे लगभग 50 करोड़ की अतिरिक्त कमाई हो जाएगी। चूंकि 2018-19 के वित्तीय वर्ष की आधी अवधि बीत चुकी है तो उम्मीद की जाती है कि इस वित्तीय वर्ष में लगभग 25 करोड़ की अतिरिक्त आय हो जाएगी। यद्यपि सरकार ने कहा है कि लगभग 8 वर्षों से इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया गया था, अतः यह आवश्यक हो गया था परंतु इसमें एक मुद्दा विवादास्पद है कि प्रॉपर्टी ट्रांजैक्शन को इससे बाहर रखा गया है जो कि रेवेन्यू का एक बड़ा साधन है। ऐसा लगता है कि सरकार रसूखदार लोगों को नाराज नहीं करना चाहती।

वैसे तो सरकार का खदान के व्यापार को पारदर्शी बनाने का कदम काफी सराहनीय है परंतु इस नई योजना में कई कमियां भी हैं, जिन्हें सुधारने की आवश्यकता है। खदानों की नीलामी प्रगतिशील बोली (प्रोग्रेसिव बिडिंग) प्र िया से करना सरकार की आय का एक अच्छा स्रोत है परंतु इसमें ग्राहकों के लिए बिल्डिंग मैटीरियल की कीमतें बहुत अधिक चुकाने की समस्या सामने आ खड़ी होती है। फिर कभी-कभी ऊंची बोली की वजह से खदान का ठेका लेने वाला बढ़ती जाती बोली के चलते माल की आपूर्ति नहीं कर पाता क्योंकि ऊंची बोली लगने के बाद उनके ग्राहक नहीं मिल पाते। इसलिए आपूर्ति की चेन टूट जाती है और इस चक्क र में बाजार में बालू-मोरंग के भाव काफी ऊंचे हो जाते हैं और यह भी नहीं सुनिश्चित होता कि बड़े बिजनेसमैन इस तरह से व्यापार से बाहर हो जाएंगे। इस तरह की योजनाओं में परिवर्तन से किसी भी कार्य में बहुत सारे नियमों के लागू होने से अधिकारियों को खदान मालिकों से वसूली एक जरिया बन जाती है, जिससे माफिया कल्चर चालू रहता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार इन सब मामलों में जागरूक रहेगी और समय के साथ अपनी नीतियों में उचित परिवर्तन करके इस क्षेत्र में ज्यादा सरल, सुविधाजनक और पर्यावरणरक्षक नियमों का अनुपालन करेगी।

घर खरीदने के साथ कराएं बीमा, जरूर ध्यान रखें ये बातें

नई दिल्ली। नवरात्रि से दीपावली तक हजारों लोग गाढ़ी कमाई खर्च कर घर खरीदते हैं। हालांकि ज्यादातर लोग इसकी सुरक्षा का ध्यान नहीं देते। विशेषज्ञों का कहना है कि घर खरीदने के साथ उसका बीमा कराकर भूकंप, आग जैसी आपदा या दुर्घटनाओं और सामान चोरी होने से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। अगर किफायती हो तो जिस बैंक से घर के लिए होम लोन लेते हैं, उससे भी बीमा करा सकते हैं।

व्यापक बीमा प्लान बेहतर

एक कंप्रिहेंसिव (व्यापक) बीमा पॉलिसी में घर का ढांचा और सामान दायरे में होता है। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के जनरल इंश्योरेंस के मुख्य

कारोबारी अधिकारी तरुण माथुर का कहना है कि ग्राहक जरूरत के अनुसार, केवल मकान के ढांचे या केवल सामान का बीमा करा सकता है। चोरी, सेंधमारी के नुकसान के लिए भी एडऑन ले सकते हैं।

ऐसे लागत का आकलन करें

बीमा कंपनियां घर की लागत उस शहर में निर्माण के खर्च और कारपेट एरिया का गुणाकर निकालती हैं। लिहाजा आपका घर किस मंजिल पर हैं, इससे बीमा के प्रीमियम पर फर्क नहीं पड़ता।

कई तरह के जोखिम का कवर

कंपनियां होम इंश्योरेंस प्लान में 11 तरह के जोखिम कवर करती हैं। आग, बिजली, गैस या किसी अन्य घरेलू उपकरण में विस्फोट, विमान से नुकसान, क्रेन जैसी किसी मशीन से टक्कर, भूस्खलन, विस्फोट, पानी के टैंक का ओवरफ्लो, मिसाइल परीक्षण से हुआ नुकसान, जंगल की आग या स्वचालित छिड़काव यंत्र से हुई क्षति। प्रीमियम आपकी संपत्ति के मूल्य पर निर्भर करता है। आप ऑनलाइन भी विभिन्न कंपनियों के प्लान की तुलना कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान –

आपको अपनी संपत्ति का वास्तविक मूल्य पता होना चाहिए

ब्रोकर की बजाय ऑनलाइन पॉलिसी खरीदना ज्यादा सस्ता

मकान में रह रहे शख्स का जीवन बीमा इसमें कवर नहीं

घर की मंजिल या ग्राउंड फ्लोर से प्रीमियम में अंतर नहीं

हाउसहोल्डर पॉलिसी में गैराज में खड़ी गाड़ी दायरे में नहीं

ग्रुप इंश्योरेंस भी विकल्प

कई सारी सोसायटी के लिए बीमा कंपनियां खुद ग्रुप पॉलिसी का भी विकल्प देती हैं। इसमें मकान का बीमा होता है और प्रत्येक मकान मालिक अपनी विशेष जरूरतों के अनुसार कुछ और चीजें भी जुड़वा सकता है।

घर बेचें तो कंपनी को सूचित करें

अगर आप बीमित मकान किसी को बेचते हैं तो इसकी सूचना बीमा कंपनी को देकर पॉलिसी कैंसल करा सकते हैं, क्योंकि मकान बेचने के बाद पॉलिसीधारक का हित उसमें नहीं रहता। नया मालिक चाहे तो पॉलिसी को चालू कर सकता है।

कारोबारियों को मोदी सरकार ने दी राहत, जीएसटी रिटर्न भरने के लिए मिला समय

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने कारोबारियों को बड़ी राहत दी है. व्यापारियों को सितंबर महीने का जी

एसटी आर-3B भरने के लिए और समय मिल गया है. सरकार ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि कारोबारी 25 अक्टूबर तक GSTR- 3B भर पाएंगे. इसके साथ ही कारोबारी जुलाई 2017 से मार्च 2018 तक के Input Ta& Credit (ITC) को भी 25 अक्टूबर तक क्लेम कर पाएंगे. वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले सेंट्रल बोर्ड ऑफ इंडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (CBIC) ने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है. सामान्य तौर पर किसी महीने का जीएसटीआर-3बी अगले महीने की 20 तारीख तक भरना होता है. सितंबर का रिटर्न भरने की खातिर 20 अक्टूबर तक का समय था. अब सरकार ने इसे 5 दिन और बढ़ा दिया है. इससे पहले कारोबारियों ने जीएसटी रिटर्न भरने को लेकर चिंता जताई थी. उन्होंने कहा था कि सेल्स रिटर्न और सप्लायर्स द्वार दाखिल किए जा रहे पर्चेज रिटर्न का मिलान करना मुश्किल होगा. इसके चलते 20 तारीख तक जीएसटी रिटर्न फाइल करना मुश्किल हो जाएगा.

रुपये की सपाट शुरुआत, डॉलर के मुकाबले 73.30 के स्तर पर खुला

नई दिल्ली। इस कारोबारी हफ्ते की रुपये ने सपाट शुरुआत की है. सोमवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 73.30 के स्तर पर खुला है. शुक्रवार के मुकाबले आज यह 2 पैसे की बढ़त के साथ खुला है.इससे पहले शुक्रवार को रुपया एक डॉलर के मुकाबले 73.32 के स्तर पर बंद हुआ था. 74.50 का आंकड़ा पार करने के बाद रुपये में थोड़ी मजबूती जरूर नजर आई है. हालांकि अभी कई चुनौतियां इसके सामने खड़ी हैं.

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उथल-पुथल जारी है. इसके अलावा अगले महीने अमेरिका की तरफ से ईरान पर लगाए जाने वाले प्रतिबंध का असर भी रुपये पर नजर आ सकता है. इस साल रुपया अब तक 15 फीसदी से भी ज्यादा डॉलर के मुकाबले टूट चुका है. इसकी अहम वजह रही डॉलर में लगातार मजबूती आना.

ओडिशा में पेट्रोल से महंगा हुआ डीजल, सरकार के फॉर्मूले पर उठा सवाल

नई दिल्ली। ओडिशा में डीजल की कीमत पेट्रोल की कीमत से ज्यादा हो गई है. राज्य में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल ने केन्द्र में बीजेपी सरकार पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि केन्द्र सरकार का पेट्रोल-डीजल की कीमत तय करने का फॉर्मूला गलत है, जिसके चलते राज्य में डीजल को पेट्रोल से अधिक कीमत पर बेचना मजबूरी हो गई है.गौरतलब है कि केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ओडिशा से आते हैं और हाल ही में पेट्रोल-डीजल पर केन्द्र सरकार द्वारा वसूले जा रहे एक्साइज ड्यूटी में कटौती का ऐलान करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने सभी राज्यों से पेट्रोल-डीजल पर वैट में कटौती करने की अपील की थी. हालांकि इस अपील को नजरअंदाज करते हुए ओडिशा सरकार ने रविवार को दावा किया कि राज्य में डीजल की कीमत पेट्रोल से अधिक है. रविवार की कीमतों के मुताबिक एक लीटर डीजल की कीमत एक लीटर पेट्रोल से 12 पैसे अधिक है. रविवार को ओडिशा में जहां डीजल 80.69 रुपये प्रति लीटर बेचा गया वहीं पेट्रोल की बिक्री 80.57 रुपये प्रति लीटर की गई.ओडिशा स्थित उत्कल पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी संजय लाथ ने बताया कि यह पहली बार हुआ है कि राज्य में डीजल की कीमत पेट्रोल की कीमत से अधिक हो गई है. लाथ के मुताबिक जहां देश में सभी राज्य पेट्रोल और डीजल की कीमत पर अलग-अलग दर से वैट लगाते हैं वहीं ओडिशा में दोनों पेट्रोल और डीजल पर 26 फीसदी की समान दर से वैट लगाया जाता है.

वहीं डीजल की कीमत पेट्रोल से अधिक होने के सवाल पर ओडिशा के वित्त मंत्री एस बी बेहरा ने दावा किया कि ऐसा केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के चलते हुआ है. बेहरा ने दावा किया कि ऐसा भी संभव है कि तेल मार्केटिंग कंपनियों और केन्द्र सरकार ने कीमतों को निर्धारित करने में सांठगांठ हो. वहीं, डीलर्स एसोसिएशन के मुताबिक डीजल की कीमत पेट्रोल से अधिक होने के चलते राज्य में डीजल की बिक्री में गिरावट देखने को मिल रही है.

Nokia 8 Sirocco, Nokia 6.1, Nokia 5.1 और Nokia 3.1 हुए सस्ते

नई दिल्ली। त्योहारी सीज़न के मद्देनज़र नोकिया ब्रांड के कई स्मार्टफोन की कीमतों में कटौती की गई है। Nokia ब्रांड के हैंडसेट बनाने वाली कंपनी HMD Global ने चुनिंदा स्मार्टफोन की कीमतों में 13,000 रुपये तक की कटौती हुई है।

जानिए किसी बात से वेस्टइंडीज के कप्तान होल्डर हार के बाद भी हैं खुश

गुवाहाटी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज पर 8 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की. इस मैच में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली और उपकप्तान रोहित शर्मा ने शतकीय पारियां खेली और टीम इंडिया को 42.1 ओवर में ही 323 रनों का लक्ष्य हासिल कर मैच भारत के नाम कर लिया. वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने इस करारी हार के बावजूद अपने बल्लेबाजों की तारीफ की है. वेस्टइंडीज ने शिमरोन हेटमेर के 106 रन और केमार रोच तथा देवेंद्र बिशू की उपयोगी पारियों की बदौलत आठ विकेट पर 322 रन का मजबूत स्कोर बनाया. इसके बावजूद टीम को शिकस्त झेलनी पड़ी. होल्डर ने मैच के बाद कहा, बल्लेबाजों के प्रयासों से खुश हूं. हेटमेर ने असाधारण बल्लेबाजी की.

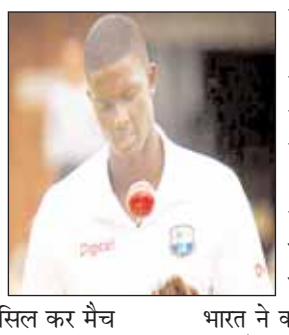

लेकिन हमें गेंद से और अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है. इस मैच में केरन पावेल ने भी अर्द्धशतकीय पारी खेली थी.

विराट रोहित की रिकॉर्ड साझेदारी

भारत ने कप्तान विराट कोहली (140) और रोहित शर्मा (नाबाद 152) के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई 246 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज को आठ विकेट से करारी मात देकर पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली. उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि रोहित और कोहली की तूफानी पारियों ने उन्हें मैच से दूर कर दिया.

टीम इंडिया में बढ़ रही है पंत की अहमियत, गांगली को अब भी धोनी लगते हैं खास

टीम इंडिया। इस समय वर्ल्ड कप की तैयारियों से गुजर रही है. भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज से पहले तक केवल 18 वनडे ही वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को खेलने हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए टीम में कई खिलाड़ी अंदर बाहर हो रहे हैं. इस सीरीज में ऋषभ पंत का चुना जाना उसी का हिस्सा है. अब पंत वनडे में पिछले कई मैचों से अपने फॉर्म से बाहर चल रहे एमएस धोनी के मजबूत विकल्प के रूप में सामने आए हैं. पंत को पहले ही टेस्ट टीम में आजमाया जा चुका है और ऐसा लगता है कि एमएस धोनी के टेस्ट में रिटायर होने के बाद अब पंत ने उनकी जगह ले ली है. अब वनडे में वे उनका बैकअप बनने जा रहे हैं जो कि अगले साल होने वाले वर्ल्डकप के लिए काफी महत्व रखता है. लेकिन धोनी की पैरवी करने वाले कम नहीं हैं. भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने खराब फार्म से जूझ रहे महेंद्र सिंह धोनी का बचाव करते हुए कहा कि अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा सीरीज उनके लिए काफी अहम होगी.

घर पर भी बना सकते हैं ढाबा स्टाइल तंदूरी आलू पराठा

ढाबे पर मिलने वाले तंदूरी पराठों की बात ही अलग होती है. पर अगर आपको ऐसा लगता है कि इसे आप घर पर नहीं बना सकते हैं तो आप गलत हैं. बता दें कि कूकर या किसे गहरे तले वाले बर्तन या लोहे के भारी तवे की मदद इसे घर पर भी बनाया जा सकता है.

रेसिपी क्विज़ीन - इंडियन
कितने लोगों के लिए - 2 - 4
समय - 15 से 30 मिनट
मील टाइप - वेज
आवश्यक सामग्री
दो कटोरी गेहूं का आटा
चार उबले आलू
दो हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
एक इंच अदरक कद्दूकस किया हुआ
एक बड़ा चम्मच हरा धनिया
एक छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
एक छोटा चम्मच गरम मसाला
आधा छोटा चम्मच अमचूर
तेल जरूरत के अनुसार
नमक स्वादानुसार

विधि- सबसे पहले एक कटोरी में आटा, नमक और थोड़ा सा तेल डालकर अच्छे से मिक्स कर लें. अब धीरे-धीरे पानी डालते हुए नरम आटा गूंदे और इसे कुछ देर के लिए ढक्क र रख दें. इसी बीच आलूओं को छीलकर इन्हें फोड़ लें.

अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर , गरम मसाला, अमचूर और नमक डालकर अच्छे से मैश करें.

पराठा बनाने के लिए अब आटे से लोई तोडकर इसे गोलाकार में बेलें.

पराठे के बीचों-बीच आलू भरकर इसकी पोटली बनाते हुए बंद कर लें.

पोटली को हल्के हाथों से दोबारा बेल लें.

मीडियम आंच में एक प्रेशर कूकर या कोई गहरे तले वाला बर्तन गरम करने के लिए रखें.

अब हाथों पर पानी लगाकर पराठे को उठाएं और गीले वाले साइड से इसे कूकर के अंदर चिपका दें.

जब पराठा बर्तन से अच्छे से चिपक जाए तब बर्तन को उल्टा कर आंच धीमी कर इसे सेंकें.

बर्तन को घुमाते हुए पराठे को अच्छे से हर तरफ से सेंक लें.

बर्तन को सीधा कर इसे एक प्लेट में निकाल लें.

इसी तरह से बाकी लोइयों से भी आलू पराठा बना लें.

तैयार है तंदूरी आलू पराठा. चटनी, दही या अचार के साथ सर्व करें.नोट:

आप कूकर, गहरे तले वाला बर्तन या लोहे के तवे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

ध्यान रखे कि जब पराठा अच्छे से चिपक जाए, बर्तन को तभी उल्टा करे.

अपनी इच्छानुसार आप आलू के साथ प्याज भी मिला सकते हैं.

शब्द सामर्थ्य-66

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

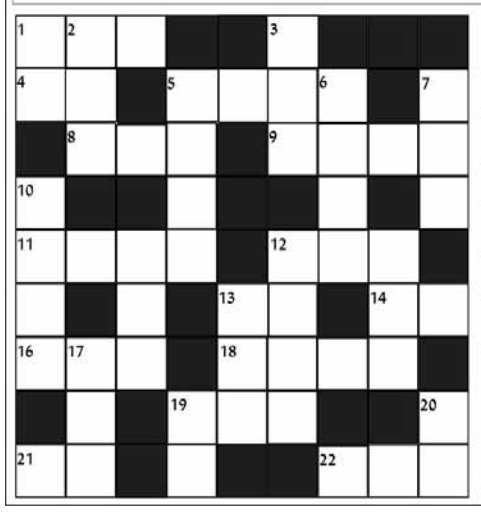

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 65 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू-66

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3				2			5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.65 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आज का राशिफल

मेष: बदोस्तों के साथ दिन गुजरेगा। आपके मित्र मंडली में नए मित्र जुड़ेंगे और आपके खर्चे होंगे। बुजुर्गों की तरफ से लाभ होगा और उनसे सहयोग मिलेगा। आकस्मिक धन लाभ मानसिक प्रसन्नता बढ़ाएगी।

वृषभ: नौकरी में पद-प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। उच्च अधिकारियों से सहयोग प्राप्त होगा। सरकारी निर्णय आपके पक्ष में आने से लाभ होगा। गृहस्थ जीवन में सुख-शांति रहेगी।

मिथुन: आज प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों और अधिकारियों के व्यवहार से निराशा होगी। वाद-विवाद से दूर रहें।

कर्क: आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। ोध और वाणी पर संयम रखें, अन्यथा हानि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिजनों के साथ वाद-विवाद होने की आशंका है।

सिंह: आज का दिन मनोरंजन में बीतेगा। सांसारिक मामलों के विषय में आपका व्यवहार उदासीन हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत को लेकर कुछ लोग चिंतित हो सकते हैं।

कन्या: परिवार में आनंद एवं उत्साह का वातावरण रहने से मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कार्य में सफलता और यश मिलेगा। ऑफिस में साथ काम करने वालों से सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।

तुला: रचनात्मक और कलात्मक विषयों में रुचि रहेगी। संतान की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। स्त्री मित्रों से सहयोग मिलेगा। प्रिय व्यक्ति के साथ मिलन सुखद रहेगा।

वृश्चिक: सेहत का ध्यान रखें, दिन शांति पूर्वक गुजरेगा। माता के स्वास्थ्य के संबंध में चिंता हो सकती है। पारिवारिक सदस्यों के साथ अनबन होने से मन दुखी हो सकता है। कागजातों के मामले में सावधानी रखें।

धनु: नए कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आपका मन प्रसन्न रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा कर सकते हैं। मित्रों और सगे-संबंधियों के साथ मुलाकात सुखद रहेगी।

मकर: वाणी पर संयम रखें, इससे पारिवारिक जीवन में विवाद को टाल सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में परिश्रम करना होगा। नकारात्मक विचारों पर काबू रखने की गणेशजी सलाह देते हैं।

कुंभ: शारीरिक, मानसिक और आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा गुजरेगा। परिजनों के साथ भोजन का आनंद उठाएंगें। मित्रों के साथ बाहर घूमने जाने का आयोजन होगा। दांपत्य जीवन की मधुरता रहेगी।

मीन: मन की एकाग्रता बनाए रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संतान के भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है। परिजनों से दूर जा सकते हैं। धार्मिक कार्यों के पीछे धन खर्च हो सकता है। महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों या कोर्ट-कचहरी के मामले में सावधानी रखें।